1 - 1 - 1445 जुमेरात 20-07-2023

।। बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम ।।

तिब्बे नबवी और सना मक्की (Senna Leaves) :

मुसलमान होने के नाते हमें अल्लाह रब्बुल इज्जत का हर वक्त दिल की गहराइयों से शुक्र अदा करते रहना चाहिए कि, इस ने हमें महज अपने फ़ज़ल व करम से मुहसिने आज़म और तबीबे आज़म हजरत मुहम्मद (स.) की उम्मत में पैदा किया और हमें जिंदगी गुजारने का वह अकमल तरीका अता फ़रमाया, जिस में जिस्मानी और रूहानी ज़िंदगी का वजूद मौजूद है. जहां तबीबे आज़म (स.) का उम्मती होना भी बड़े ही बदनसीबी की बात है. आप सेहतमंद ज़िंदगी गुजारने और बीमारियों से कामिल शिफा पाने को ही ले लीजिए, इस ज़िंदगी को जिसे हम तिब्बे नबवी के नाम से जानते हैं, हम इस पर कितना अमलपैरा हैं. अमलपैरा होना तो दूर की बात है, क्या हमें इस ज़िंदगी के बारे में हदीसों में जो मालूमात मौजूद है, या जिन जड़ी बूटियों पर गैर मुस्लिम लोग तहकीकात और कई सालों से तजुर्बे कर के अपनी जान बचाने के लिए अपना चुके हैं, क्या हमें इस मुबारक ज़िंदगी का इल्म भी है? क्या हमने कभी इस ज़िंदगी के बारे में जानने की कोशिश भी की है? नहीं... हरगिज नहीं !!! यही वो हमारी बदनसीबी है, जिस का गिला हम अपने आप से ही कर सकते हैं. आप सिर्फ पेट की बीमारियों को ही ले लीजिए. इस बारे में तबीबे आज़म (स.) ने हमारी रहनुमाई 1445 साल पहले सना मक्की (Senna Makki) नामी अहमतरीन जड़ी बूटी के बारे में कर

दी थी. इस जड़ी बूटी के बारे में सब से पहले कुछ हदीसें पेश हैं, फिर इस के तिब्बी फायदे और साइंसी तहकीकात का ज़िक्र करेंगे.

1) हजरत अस्मा बिंत अमीस (र.), जो हजरत अबूबकर सिद्दीक (र.) की बीवी थी, वह रिवायत करती है कि, रसूलुल्लाह (स.) ने मुझ से पूछा कि, तुम कौन सी चीज़ से पाखाना (Motion) लाती हो? कहा कि शबरम से. आप (स.) ने फर्माया, यह तो इंतिहाई गर्म है. सय्यदा अस्मा (र.) कहती हैं कि, इस के लिए मैं सना इस्तेमाल करती हूं. इस पर आप (स.) ने फरमाया कि, अगर कोई चीज़ मौत से बचा सकती है तो वह "सना" है. (सुनन इब्ने माजा, अल – तिब्, हदीस 3461)

हदीस नंबर **1** का खुलासा :

इस इर्शादे नबवी से यह मालूम करना मकसद था कि, कौन सी चीज़ से पाखाना (Motion) आता है. इस पर हजरत अस्मा (Stool) नर्म करने और पाखाना (Motion) लाने के किस चीज़ का इस्तेमाल करती हैं. इस लिए कि, मुस्हल दवा को मशी यानि चलने वाला बरोजन फईल कहा जाता है. कुछ का कहना है कि, इस के इस्तेमाल से पाखाने के लिए बार बार जाना पड़ता है, इस लिए इसे मशी कहा जाता है.

शबरम की ख़ासियत :

शबरम ऐसे पौधे से मिलता है, जिस से दूध जैसा पतला पानी निकलता है. यह कब्ज को बढ़ाने वाला, जलन पैदा करने वाला और सख्त चीज़ को काट कर बाहर निकलने के काबिल बनाने वाला होता है. यह एक शाखदार पौधे

की छाल होती है, जो थोड़ी सी लाल रंगत की हलकी और पतली होती है. ऐसे लगता है, जैसे किसी चीज़ में लिपटा हुआ चमड़ा हो. तिब् के माहिर इस का इस्तेमाल न करने की सलाह देते हैं. क्यों कि इस की वजह से बहुत ज्यादा पतले पाखाने होते हैं और इस लिए यह ख़तरनाक भी होता है. इस के इस्तेमाल से गाय भी मर सकती है. (खजायनुल अदविया)

2) सय्यदना अब्दुल्लाह बिन उम्मे हराम (र.) कहते हैं कि, मैं ने रसूलुल्लाह (स.) से सुना कि, "सना" और सुनोत इस्तेमाल करो, इस में साम के सिवा हर बीमारी की शिफा है.

मैं ने पूछा कि, साम क्या चीज़ है? तो आप (स.) ने बताया कि साम मौत को कहते हैं. (सुनन इब्ने माजा, अल – तिब्, हदीस 3457)

सना मक्की के तिब्बी फायदे :

1) जिल्द (skin diseases) की बीमारियों में सना एक लाजवाब दवा है. इसे मेहंदी और कलोंजी के साथ मिला कर सिर्के (vinegar) में खूब मिला कर इस्तेमाल किया जाए, तो यह फफूंदी से पैदा होने वाली तमाम बीमारियों और खास तौर पर ऐसी हालत में, जब कि ज़ख्मों पर के छिलकों में जलन होने लगे, ऐसे में कमाल की दवा है.

2) यह सौदावी, सफरावी (hot and dry) और बलगमी माद्दा (Cold and moist) जिस्म से बाहर फेंकती है, जिस से जिस्म तंदुरुस्त होने का अमल शुरू हो जाता है.

3) दिमाग में फंसी हुई तरी और वसवसों को दूर करता है, जिस से दर्दे शकीका (Migraine), अर्कुनिसा (Sciatica), मिर्गी (Epilepsy) और पुराने सर दर्द में फ़ायदामंद है.

4) खून साफ़ करती है और पेट के कीड़े मारती है.

5) दिल को ताकतवर बनाने वाली होने की वजह से इब्ने सीना ने इसे दिल की बीमारियों में काम आने वाली दवा में सब से ऊपर का दर्जा दिया है.

6) अगर उसे एक महिने तक लगातर खाया जाए तो जिस्म का हर हिस्सा मजबूत होता है और बाल काले होते हैं.

7) जसबोल यानि पेशाब बंद हो जाने और तकतीर बोल यानि पेशाब रुक रुक कर आने की बीमारी में भी बहुत फायदेमंद है.

8) एक ताजातरीन रिसर्च के मुताबिक सना का लगातार इस्तेमाल गुर्दों यानि किडनी, पठ्ठे muscular pain और मसाने stones in bladder की पथरी को बाहर फेंक देता है.

9) बालों को झड़ने से रोकता है और मजबूत बनाता है.

10) जिस्मानी दर्द body pain को दूर करती है.

11) फटों muscular और आंतों ulcerative colitis की ऐंठन को दूर करती है.

12) जोड़ों के दर्द को दूर करती है.

13) मिर्गी Epilepsy की बीमारी में फायदेमंद है.

14) कमर दर्द और बवासीर piles में फायदेमंद है.

15) छाछ के साथ लेने पर पुराना बुखार तोड़ देती है.

16) बकरी के दूध के साथ लेने से दुबलापन दूर होता है.

17) ऊंटनी के दूध के साथ लेने से सर का बादी दर्द दूर होता है.

18) इमली के पत्तों के साथ लेने से जुनून passion और मिर्गी Epilepsy में फ़ायदेमंद होता है.

19) ढाक के रस के साथ लेने से मुंह की बदबू दूर होती है.

20) आमले के रस के साथ लेने से कोढ़ और पाखाने की जगह के फोड़े दूर होते हैं.

21) बकरी के दही के साथ लेने से ज़हर उतर जाता है.

22) अनार के दानों के रस के साथ खाने से पेट फूलने से राहत मिलती है.

23) अदरक के रस के साथ खाने से बदहजमी दूर होती है.

24) अंगूर के रस के साथ खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है.

25) नीम के रस के साथ लेने से दस्त से राहत मिलती है.

26) इसे पीपल के बीज (दार फिलफिल) के साथ सेवन करने से पागलपन दूर रहता है.

27) इसे चालीस दिन तक खाने से जिस्म से खुशबू आने लगती है.

28) इसे मेहंदी के साथ मिलाकर सर पर लगाने से बाल काले हो जाते हैं और सर की जिल्द ठीक होने के साथ–साथ बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है और गंजापन दूर होता है.

29) पुरानी कब्ज से निजात दिलाने के लिए बेहतरीन दवा है.

30) पेशाब में आने वाले सफेद पानी को खत्म करने के लिए चंद दिनों तक सना मक्की को मुलेठी और सौंफ के साथ मिला कर चंद दिनो तक लेने से बहुत फ़ायदा होता है.

अधिक जानकारी के लिए आरिफ अहमद खान से संपर्क करें मोबाइल नंबर 9860515918

सना मक्की पर होने वाले साइंसी रिसर्च और तजुर्बे :

मॉडर्न मेडिकल साइंस में कब्ज को तोड़ने के लिए अब तक 5 हजार से ज्यादा दवाइयों का इस्तेमाल में रही हैं. आज से तकरीबन 80 साल पहले की दवाइयों की फ़ेहरिस्त भी सेंकड़ों में थी. मगर आज के दवा बेचने वालों के पास इस बीमारी के लिए सिर्फ तीन ही दवाइयां हैं. इस का मतलब हुआ कि, एक हजार सालों के लम्बे तजुर्बों के बाद सना मक्की एक ऐसी दवा है, जिस का कोई बदल नहीं और इस की मकबूलियत और अहमियत आज भी वही है, जो हजार साल पहले थी.

सना मक्की बरतानिया के सरकारी फार्मा कोपिया में शामिल है. यह इन दवाओं में से है, जो बहुत ज्यादा फायदा देती है. इसे मस्हिला वाली दवाओं में ऊंचा दर्जा हासिल है. सना मक्की को अकेले इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. क्यों कि, सफरावी दवाइयां अजलात में कमजोरी और घबराहट की वजह बन सकती है.

इस लिए इस के साथ इसे सुधारने वाली दवाइयां, जिन में गुल सुर्ख, रोगने बदाम, रेवाचिनी, मुलेठ्ठी को भी जरूर मिलानी चाहिए.

केमियाई जायजा (Chemical Analysis) : सना मक्की में बेरोजा, ऐक्सिलेट के अलावा हरा रंग देनेवाला उंसर (Tri - Hydroxy - Flanone) पाया जाता है, जिसे Kaempophanol भी कहते हैं.

इस में पाए जाने वाली काम करने वाली चीज़ों का ताल्लुक Anthrone से है, जिस की किस्में A - B - C - D Sennosides मालूम होती है.

इस के अलावा इस में Chrisophanic Acid Senna, Picrin - Municilage, Tartaric Acid, Glucoside Phoecretin और Vegetable सॉल्ट पाए जाते हैं.

एलोपैथिक दवाइयां (Alopathic Medicine) :

1) Senna Tablets,

2) Liquorice Compound Powder,

3) Liquid Extract Senna,

4) Seinnatin Injection.

.....

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनायझेशन (WHO) और अमरीकी दवा इदारा (FDA) की निगाह में सना मक्की की अहमियत और हैसियत :

आज के दौर में सना मक्की से तैयार की हुई एलोपैथिक दवा Senna Glycoside कब्ज की बीमारी के लिए इस्तेमाल की जाती है, जिसे WHO ने कब्ज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बेहद असरदार और महफ़ूज़ दवाओं में शुमार किया है. इसी तरह अमरीकी दवाओं का ऑर्गनाइजेशन FDA से भी मंजूरशुदा है. (1)

Reference: (1) WHO Model List of Essential Medicines 20th List (March 2017) (Amended August 2017) Source:

www.who.int/medicines/publications/essentialmedcines/en/ 2. SENNA is a herb. The leaves and the fruit of the plant are used to make medicine.

3. Senna is an FDA-approved non prescription laxative. It is used to treat constipation and also to clear the bowel before diagnostic tests such as colonoscopy. 4. Senna is also used for irritable bowl syndrome (IBS), hemorrhoids, and weight loss (however, more evidence is needed to rate the effectiveness of Senna for these uses)

Reference: (2, 3, 4)

Senna by Medicine Plus (Maintained by US National Library)

Source: www.medlineplus.gov/druginfo/natural/652.html

इस्तेमाल का तरीका :

खुराक की मिक्दार : एक चाय का चम्मच सना मक्की का पाउडर सादे पानी से अगर मौसम गर्म हो तो वर्ना गर्म पानी से रात को सोते वक्त इस्तेमाल करना चाहिए.

अगर सना की 250 ग्राम मिक्दार में लेकर इस में एक किलो देसी शहद (Organic Honey) में शामिल कर के माजून बना लिया जाए, फिर इसे पेट की अलग अलग बीमारियों में रात को सोते वक्त सादे पानी से इस्तेमाल किया जाए, तो इंशा अल्लाह चंद हफ्तों में पुरानी कब्ज से निजात मिल सकती है और कई बीमारियों में शिफा मिल सकती है.

इतने सारे और तहकीकात हमारे सामने आने के बाद हमें चाहिए कि, हम सना मक्की को अपनी जिंदगी में हमेशा के लिए जगह दें और सिर्फ और सिर्फ सुन्नत समझ कर ही ऐसा करें, ताकि सूरहे आले इम्रान की आयत नंबर 31 में इत्तिबाए सुन्नत पर मिलने वाले इनामात दुनियावी व आखिरत वाले, दोनों नसीब हो सकें.

दुनियावी इनाम किसी भी सुन्नत को अपनाने पर अल्लाह तआला की महबूबियत मिलने का है और आखिरत वाला इनाम मग्फ़िरत का है.

तिब्बे नबवी अपनाने पर बीमारियो से शिफ़ा हासिल होने के साथ साथ महबूबियत और मग्फिरत नसीब हो जाए तो यह कोई मामूली बात नहीं है. तिब्बे नबवी की जड़ी बूटियों को इस्तेमाल करने के लिए यह भी जरूरी है कि, वह किसी माहिर या एक्सपर्ट, जो कि इलाज करना अच्छे से जानता हो और तिब्बे नबवी का भरपूर शौक़ रखता हो, इस से राबता करना चाहिए. लेकिन खुद कोई तजुर्बा करना नहीं चाहिए.

क्यों कि, हर इंसान की तबीयत, मिज़ाज और जिस्मानी कैफ़ियत अलग अलग होती है. हम इस बात की तरगीब जरूर देते हैं कि, जब हमारे पास किसी बीमारी का सुन्नत इलाज मौजूद है, तो हमें सुन्नत से बाहर के इलाज के

मुकाबले में इसी को हर हाल में अपनाना चाहिए और ज़िंदगी को सवारना और सुन्नत को जिंदा रखना चाहिए. लेकिन एक बात का खयाल जरूर रखें कि, किसी माहिर या एक्सपर्ट से ही इलाज कराएं.

इस बात का खयाल जरूर रखें कि, बीमारी की चुंगल से निकलने के लिए कोई भी इलाज करवाना जायज है. लेकिन तिब्बे नबवी के तरीके से करना सुन्नत है. लिहाजा तरजीह सुन्नत ही को देनी चाहिए, ताकि दुनिया में शिफा और आखिरत में सुन्नत पर अमल करने की बरकत से शिफाअत नसीब हो.

आखिर में मैं अपने ब्यौपारी और कारोबारी भाइयों से यह दरख्वास्त करना चाहता हूं कि, खुदारा! आप हजरात तिब्बे नबवी की जड़ी बूटियां हर एक इंसान तक पहुंचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा तिब्बे नबवी के स्टोर्स का जाल पूरे मुल्क के कोने कोने में फैला दें, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुसलामानों को हलाल व पाकीज़ा रोजगार नसीब हो, बल्कि आप हजरात को हलाल व बाबरकत नफा मिलना आसान हो जाए.

हर बड़े शहर में कम से कम 100 (सौ) बड़े तिब्बे नबवी स्टोर्स की पूरी चेन होनी चाहिए, जिस में इंसान को सेहतमंद रखने के लिए गिजा और दवाइयां आसानी से मिल सके.

इस तरह के स्टोर्स योरप में भरे हुए हैं. लेकिन अगर चे कि वो तिब्बे नबवी के नाम से कायम नहीं हैं, इस लिए कि वो लोग ईमान के बिना सिर्फ सेहतमंद रहने के लिए और बीमारियों से निजात पाने के लिए कायम किए गए हैं. ये स्टोर्स Natural Stores Organic Stores या फिर Herbal Stores के नाम से दुनिया भर में न सिर्फ कायम हैं, बल्कि और भी तेज रफ़्तारी से कायम किए जा रहे हैं.

हमें चाहिए कि हम तिब्बे नबवी स्टोर्स के नाम से कायम करें ताकि मिटती हुई सुन्नत जिंदा हो और दुनिया को इस बात का एहसास दिलाया जाए कि, जिसे गैर मुस्लिम Herbal Stores, Natural Stores, Organic Stores कहते हैं, वो

सिर्फ तिब्बे नबवी है. इस लिए कि, यह वह जिंदगी है, जो अल्लाह रब्बुल इज्जत ने आज से तकरीबन 1445 साल पहले हजरत मुहम्मद (स.) पर वही के जरिए कयामत तक के तमाम इंसानों की सेहतमंदी की खातिर अता फर्माया था, जिसे गैरमुस्लिम कौमों ने जीने (Survival) के लिए अपनाया है और फितरत की तरफ लौट जाने ही में अपने लिए आफियत समझी है.

मगर अफसोस सद् अफ़सोस सिर्फ हम पर है कि, हमारे लिए इस मुबारक जिंदगी को अपनाने पर सिर्फ सौ शहीदों का सवाब, बल्कि अल्लाह तआला के महबूब बांडों में शामिल होने का इनाम भी है. हम इस जिंदगी से बहुत दूर जा चुके हैं.

आप लोगों में जो भी सुन्नत को जिंदा करने के जज़्बे से तिब्बे नबवी स्टोर खोलने का पक्का इरादा कर चुके हों, वह मुझ से राबता करें. इंशा अल्लाह आप को इस कारोबार का न सिर्फ रास्ता दिखाया जाएगा, बल्कि जितनी हो सके, उतनी मदद भी की जाएगी.

मुझे उम्मीद है कि, मेरे ताजिर भाई तिजारत के इस रुख (Direction) को न सिर्फ समझेंगे, बल्कि हर उस ताजिर भाई तक इस पैगाम को पहुंचाएंगे, जो तिब्बे नबवी स्टोर को मौजूदा दौर की अहम तरीन जरुरत समझें और आगे बढ़ने का ज़ज्बा भी रखता हो, ताकि सवाब के साथ साथ इंसानियत को फितरी जिंदगी गुजारने का सही तरीका सिखाया जाए. चीज़ों को हासिल करना आसान किया जाए. और इसी के साथ इंसान रूहानी और जिस्मानी दोनों तरीक़े से सेहतमंद हो.

वस्सलाम